



2488 विद्यार्थियों को डिग्रियां

बेंगलूरु. जैन विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विवि के अध्यक्ष डॉ. चैनराज रॉयचंद ने कहा कि छोटे प्रयासों और विचारों से भी बड़ा बदलाव संभव है। खुद पर विश्वास हो तो सफलता ज्यादा समय तक दूर नहीं रह सकती। विद्यार्थियों का चाहिए कि वे मूल्यों से कभी समझौता न करें और लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें। समाज और राष्ट्र निर्माण में भी योगदान दें। विभिन्न संकायों के 2488 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। 58 स्वर्ण पदक विजेताओं व 119 रैंक धाकों को सम्मानित किया गया। विवि के चांसलर डॉ. सीजी कृष्णदास नायर ने समारोह की अध्यक्षता की।